चारियों को हिन्दी का कार्य साधक ज्ञान प्राप्त हो सके ताकि वे हिन्दी में प्राप्त पत्रों पर (उनके अंग्रेजी अनुवाद प्राप्त किये बिना) कार्रवाई कर सकें। हिन्दी का प्रयोग बढ़ने के साथ-साथ कर्मचारियों को दिया गया हिन्दी प्रशिक्षण अधिकाधिक उपयोगी होता जायेगा।

पंजाब में हिन्दी

5283. **श्री रामगोपाल शालवाले :** क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान पंजाब आर्य सम्मेलन द्वारा पारित इस प्रस्ताव की ओर दिलाया गया है कि पंजाब सरकार हिन्दी को दूसरी भाषा नहीं मानती और पंजाब में 40 प्रतिशत हिन्दी भाषी लोगों को अपने मूल अधिकार से वंचित कर दिया गया है; और

(ख) जैसा कि पंजाब आर्य महासम्मेलन द्वारा मांग की गयी है, अल्प संख्यकों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा हेतु सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है क्योंकि पंजाब में केवल गुरुमुखी लिपि में पंजाबी भाषा को राजभाषा के रूप में मान्यता दी गयी है ?

गृह कार्य मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) संकल्प की एक प्रति पंजाब सरकार को मिल गई है।

(ख) दिसम्बर, 1967 में पारित पंजाब राजभाषा अधिनियम के अनुसार पंजाबी उस राजभाषा के रूप में अपनाई गयी थी। भाषा-जात अल्पसंख्यकों के हितों के संरक्षण के लिए पर्याप्त संवैधानिक तथा अन्य व्यवस्था पहले से ही विद्यमान है। स्कूलों में शिक्षा के माध्यम के सम्बन्ध में सच्चर सूत्र अभी तक लागू है।

बिहार में 'जेलरों और उपजेलरों' की समस्यायें

5284. **श्री रामावतार शास्त्री :** क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या संसद के गत सत्र में 33 संसद सदस्यों ने उन्हें बिहार के जेलरों तथा उप-जेलरों की समस्याओं के बारे में एक पत्र लिखा था;

(ख) क्या पत्र में उनके वेतनमानों में संशोधन करने और उन्हें राजपत्रित दर्जा देने की प्रार्थना की गई थी;

(ग) यदि हां, तो इस बारे में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है, और

(घ) इस बारे में अब तक क्या कार्यवाही की गई है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) और (ख) जी हां, श्रीमान्।

(ग) और (घ). राज्य सरकार मामले की जांच कर रही है।

गांधी जयंती के अवसर पर (अक्तूबर 1968) बन्दियों का जेलों से रिहा किया जाना

5285. **श्री रामावतार शास्त्री :** क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गत 2 अक्तूबर को गांधी जयन्ती के अवसर पर विभिन्न राज्यों में जेलों में बूढ़े और ऐसे अन्य लम्बी सजा पाये हुए बंदियों को रिहा कर दिया गया था कि जिनकी दण्ड अवधि पूरी नहीं हुई थी;

(ख) यदि हां, तो राज्यों के नाम क्या हैं और राज्यवार कितने-कितने बंदियों को रिहा किया गया;

(ग) क्या यह भी सच है कि गांधी जयंती के अवसर पर बिहार में कोई बन्दी रिहा नहीं किया गया;